(3) विभिन्न स्कूलों में सड़क सुरक्षा पर फिल्में दिखाई जाती हैं ।

(4) मोटरचालकों द्वारा सावधानी बरतने के लिये सड़क के किनारे स्थित सब स्कूलों के निकट चेतावनी संकेत पट लगा दिये गये हैं ।

(5) उपयुक्त स्थानों पर स्कूलों के निकट सड़कें पार करने के लिये पैदल यात्रियों के लिए निशान लगा दिये गये हैं । इन स्थानों पर पैदल यात्रियों को आरपार जाने के लिये सूचना देने वाले बोर्ड लगा दिये गये हैं ।

(6) भीड़ भाड़ के क्षेत्रों में विशेष कर जहां स्कूल हैं वहां स्पीड पर नियंत्रण लगा दिया गया ।

(7) शिक्षा संस्थाओं में नियमित रूप से सड़क सुरक्षा पर व्याख्यान और यातायात नियमों पर आदेश दिये जाते हैं । विद्यार्थियों के लाभ के लिये सड़कों पर व्यवहारिक प्रदर्शन भी दिये जाते हैं ।

(8) मैसर्स बर्मा शैल आयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रिब्यूटिंग कं० की सहायता से इरविन रोड नई दिल्ली में एक यातायात प्रशिक्षण पार्क खोला गया है । यह मार्च 1964 से चल रहा है । सवेरे के समय निश्चित कार्यक्रम के अनुसार यातायात पुलिस द्वारा इस पार्क में स्कूल बालकों को प्रशिक्षण दिया जाता है । संध्या को विशिष्ट वयस के समस्त बालकों के लिये पार्क खोल दिया जाता है ।

(9) बड़ी सड़कें चौड़ी की जा रही हैं और जहां जरूरत है वहां स्वचालित यातायात संकेत लगाये गये हैं । कुछ सड़कों पर साईकिल पथों की भी व्यवस्था की गई है । भीड़ के क्षेत्रों से बस स्टाप, स्टाल, विक्रेताओं, टैक्सी स्टैंड इत्यादि हटाये जा रहे हैं ।

सुपर बाजार, नई दिल्ली में माल पड़ताल (स्टाक टेकिंग)

1517. श्री राम गोपाल शालवाले : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सुपर बाजार, नई दिल्ली में माल का ठीक प्रकार से हिसाब नहीं रखा जाता;

(ख) यदि हां, तो इसमें क्या सुधार किये गये हैं; और

(ग) सुपर बाजार में की गई माल की पिछली पड़ताल का क्या परिणाम निकला है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य - मंत्री (श्री *अन्नासाहिब शिन्दे*): (क) और (ख). *यह सच* नहीं है कि सुपर बाजार में माल का ठीक प्रकार से हिसाब नहीं रखा जा रहा है । तथापि, भारी दैनिक बिक्री होने के कारण कुछ असंगतियां हुई होंगी । सुपर बाजार मशीन-गणना की प्रणाली से हिसाब-किताब रखने के लिए पर्याप्त सावधानी बरत रहा है ।

(ग) माल की पिछली पड़ताल दिसम्बर, 1966 में की गई थी लेकिन इसके परिणामों को प्रबन्धक मण्डल ने स्वीकार नहीं किया था, क्योंकि बही-खाते में दिखाये गये माल की अपेक्षा पड़ा हुआ स्टाक अधिक था । माल की नये सिरे से पड़ताल की जा रही है और यह कार्य 30 जून, 1967 को पूरा हो जायेगा ।

सुपर बाजार, नई दिल्ली में क्रय अधिकारी

1518. श्री राम गोपाल शालवाले : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सुपर बाजार, नई दिल्ली में कितने क्रय अधिकारी हैं;

(ख) क्रय अधिकारी का वेतनमान क्या है तथा उनमें से प्रत्येक कितने विभागों के लिये माल क्रय करता है; और

(ग) माल क्रय करने के बारे में उनका पिछला अनुभव क्या है तथा उनकी भर्ती करने का तरीका क्या है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे): (क) और (ख). अलग से क्रय अधिकारी नहीं हैं । विभाग प्रबन्धक, जिनकी संख्या 62 है, महा प्रबन्धकों के मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में अपने-अपने विभागों में बेची जाने वाली वस्तुएं खरीदते हैं । विभाग प्रबन्धकों के पदों का वेतनमान रु० 650—50—1,100 है ।

(ग) विभाग प्रबन्धकों की भर्ती सुपर बाजार, नई दिल्ली के प्रबन्धक मण्डल द्वारा स्थापित की गई चयन समिति ने उनके पूर्व अनुभव तथा व्यापारिक माल के क्रय-विक्रय सम्बन्धी ज्ञान के आधार पर की थी ।

Forest-Based Industries in Madhya Pradesh

1519. Shri Hukam Chand Kachwai:
Shri Ram Singh Ayarwal:
Shri Nitiraj Singh Chaudhary:
Shri Nathu Ram Ahirwar:

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether according to the terms of agreement, F.A.O.'s Project of Pre-investment study of Madhya Pradesh includes both resources survey as well as feasibility study of forest-based industries in Madhya Pradesh including the Bastar region; and

(b) if so, whether the proposed study will also include paper pulp industry in the Bastar region?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) and (b). Yes, Sir.

Indigenous Wheat Stock

1520. Shri Hukam Chand Kachwai:
Shri Ram Singh Ayarwal:
Shri Y. S. Kushwah:

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 78 on the 28th March, 1967 and state:

(a) whether Government are building a stock of indigenous wheat at present;

(b) if so, when the indigenous wheat is likely to be distributed in Delhi; and

(c) the source from which it has been procured?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) to (c). Government intend to build up some stock of indigenous wheat in Delhi by moving wheat procured in Punjab. As soon as some reasonable stock is built up, distribution of indigenous wheat in Delhi will commence.

किसानों को ऋण

1521. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ओंकार सिंह :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उस योजना का ब्योरा क्या है जिसके अन्तर्गत सरकार का विचार किसानों को एक करोड़ रुपए का ऋण देने का है; और

(ख) इस ऋण की राशि कब तक वितरित की जाने की सम्भावना है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री